मूल्य 1 रु.
वर्षः 14 - अंक : 12, मुंबई, मंगलवार, 27 फरवरी, 2024 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

'नाम' फिल्म से रातों-रात नाम कमा गए थे पंकज... गाया था- चिट्ठी आई है

लौट के 'आजा' जाने वाले

1980 से उधास ने शुरू किया था गायिकी का सफर

भाई से मिली थी गायिकी में आने की प्रेरणा

मखमली आवाज से 'जादू जगाने वाले' गजल गायक पंकज उधास नहीं रहे

गाने पर कभी पहली सैलरी मिली थी 51 रुपये

सिंगिंग बैकग्राउंड से ताल्लुक रखते थे पंकज

पंकज उधास का जन्म 17 अप्रैल, 1951 को गुजरात के सर्वकुंड में हुआ था। वे शुरू से ही एक सिंगिंग बैकग्राउंड से ताल्लुक रखते थे। उनके बड़े भाई मनहर उधास बॉलीवुड में पहले से ही प्लेबैक सिंगर के तौर पर जाने जाते थे। उनके दूसरे भाई निर्मल उधास भी एक बेहतरीन गजल गायक थे।

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। गजल गायक पंकज उधास का 72 साल की उम्र में निधन हो गया है। सिंगर लंबी बीमारी से जूझ रहे रहे थे। सिगर की फैमिली ने एक स्टेटमेंट जारी करते हुए उनके निधन की खबर दी है। स्टेटमेंट में लिखा है- 'बहुत भारी मन से, हम आपको लंबी बीमारी के चलते 26 फरवरी 2024 को पद्मश्री पंकज उधास के दुखद निधन की जानकारी देते हुए दुखी हैं।' पंकज उधास की मौत आज सुबह 11 बजे मुंबई में हुई। पिछले कुछ समय से वे मुंबई के ब्रीच क्रैंडी अस्पताल में भर्ती थे। इसी अस्पताल में उन्होंने आखिरी सांस ली।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

पद्मश्री से सम्मानित थे पंकज उधास

सरकार ने पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। उनकी पत्नी फरीदा एक एयरहोस्टेस थीं, लेकिन उनकी दोनों बेटियां संगीत से जुड़ी हुई हैं। एक ओर जहां नायाब उधास ने भारतीय क्लासिकल म्यूजिशियन ओजस अधिया से शादी की और खुद का एक म्यूजिक बैंड चलाती हैं। वहीं दूसरी बेटी रिवा भी म्यूजिक इंडस्ट्री से ही जुड़ी हैं। हालांकि लाइमलाइट से दूर रहती है।

पैंक्रियाज के कैंसर से जूझ रहे थे सिंगर

सिंगर अनूप जलोटा ने बात करते हुए इस बात की पुष्टि की है कि पंकज उधास को पैंक्रियाज का कैंसर था। उन्हें चार महीने पहले ही इसके बारे में पता चल गया था।

पीएम नरेंद्र मोदी ने पंकज उधास के निधन पर व्यक्त किया दुख

पीएम मोदी ने पंकज उधास के निधन पर दुख व्यक्त किया है और कहा है कि उनके जाने से संगीत जगत में एक खालीपन आ गया है जिसे कभी नहीं भरा जा सकेगा। पीएम के ऑफिशियल एक्स अकाउंट से पोस्ट कर लिखा गया है, "हम पंकज उधास जी के निधन पर शोक व्यक्त करते हैं। उनकी गायकी में अलग-अलग इमोशन्स होते थे और उनकी गजलें सीधे आत्मा से बात करती थीं। वह भारतीय संगीत के एक प्रकाश स्तंभ थे, जिनकी धुनें पीढ़ियों से चली आ रही थीं। मुझे पिछले कुछ सालों में उनके साथ हुई अपनी विभिन्न बातचीतें याद हैं।"

मनोज जरांगे की बढ़ी मुश्किलें

पहले एफआईआर, अब मराठा आंदोलन की एसआईटी जांच के आदेश

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मराठा आरक्षण का मुद्दा बजट सत्र में उठा है। बीजेपी नेता आशीष शेलार की मांग के बाद विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने मनोज जरांगे की अगुवाई वाले मराठा आंदोलन की एसआईटी (विशेष जांच दल) जांच के आदेश दिए हैं। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने गृह विभाग को मनोज जरांगे के आरोपों की जांच के लिए एसआईटी गठित करने का आदेश दिया है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

मराठा समाज मेरे साथ- फडणवीस :

विधानसभा में फडणवीस ने कहा, स्पीकर नार्वेकर ने मनोज जरांगे के आंदोलन की जांच एसआईटी से कराने के आदेश दिए हैं। इसका पालन अवश्य किया जायेगा। मैं इस बारे में बात नहीं करना चाहता था। लेकिन यहां यह मुद्दा उठा है तो मुझे बोलना पड़ेगा। मराठा समुदाय और महाराष्ट्र की जानता को पता है कि मैंने मराठा समुदाय के लिए क्या किया है। जब मैं मुख्यमंत्री था तो मैंने आरक्षण दिया और हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में इसका बचाव किया। छात्रवृत्ति दी.. कर्ज दिया। मराठा समाज को लेकर मुझे किसी के सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

किसान असंतोष की जड़ें

कृषि निर्भर परिवारों का आम उपभोग खर्च औसत ग्रमीण उपभोग खर्च से नीचे चला गया है। 2022-23 की इस रिपोर्ट के मुताबिक ग्रामीण इलाकों में औसत घरेलू उपभोग खर्च 3,773 रुपये रहा। लेकिन कृषि निर्भर परिवारों का औसत खर्च 3,702 रुपये ही था।

देश के किसान फिर आंदोलन की राह पर हैं। उनकी प्रमुख मांग है फसलों पर स्वामीनाथन फॉमूर्ले के मुताबिक एमएसपी की कानूनी गारंटी और संपूर्ण ऋण माफी। इन मांगों को पूरा कराने के लिए कृषक समाज में जान बाजी पर लगा देने की भावना पैदा हुई है। इसकी वजह समझनी हो, तो ताजा जारी घरेलू उपभोग खर्च सर्वेक्षण की रिपोर्ट पर गौर करना उपयोगी होगा। इस रिपोर्ट से सामने आया है कि कृषि निर्भर परिवारों का आम उपभोग खर्च औसत ग्रमीण उपभोग खर्च से नीचे चला गया है। 2022-23 की इस रिपोर्ट के मुताबिक ग्रामीण इलाकों में औसत घरेलू उपभोग खर्च 3,773 रुपये रहा। लेकिन कृषि निर्भर परिवारों का औसत खर्च 3,702 रुपये ही था। इसके पहले हुए हर घरेलू उपभोग खर्च सर्वे में कृषि आधारित परिवारों का औसत व्यय अन्य ग्रामीण परिवारों से अधिक रहा था। कृषि आधारित परिवारों में वे दिहाड़ी मजदूर और अन्य खेतिहर मजदूर भी शामिल हैं, जिनकी आमदनी का कोई अन्य स्रोत नहीं है। इस नई सूरत की वजह क्या है, यह जानना महत्त्वपूर्ण होगा। फिलहाल चूंकि इस संबंध में ठोस सूचनाएं उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए इसके बारे में अनुमान ही लगाए जा सकते हैं। संभव है कि इसका एक कारण ग्रामीण अर्थव्यवस्था में दूसरे कारोबारों का बढ़ना हो। मसलन, पशुपालन या बागवानी जैसे धंधों में खेती से ज्यादा मुनाफा हो रहा हो। या फिर यह वजह हो सकती है कि कोरोना महामारी के दौरान शहरों से गांव लौटे मजदूरों में से अनेक वहीं रह गए हैं, जिससे श्रमिकों की अधिकता के कारण उनकी मजदूरी घट गई हो।लेकिन कुल मिलाकर यह तस्वीर तो उभरती ही है कि खेती लगातार गैर-लाभकारी होती जा रही है। इसका बड़ा कारण लागत में लगातार बढ़ोतरी और फसल की कीमत में भारी उतार-चढ़ाव रहे हैं। इस पर भी जरूर गौर किया जाना चाहिए कि कृषि में सार्वजनिक पूंजीगत निवेश स्थिर बना हुआ है, जबकि जलवायु परिवर्तन की वजह से मौसम का अनिश्चय बढ़ गया है। इन कारणों से खेती अधिक जोखिम भारी पेशा बन गई है। ऐसे में किसानों और कृषि निर्भर अन्य तबकों में असंतोष पैदा होना एक स्वाभाविक घटना मानी जाएगी।

आयुष मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने शिलॉन्ग में एनईआईएएच की क्षमता बढ़ाने के लिए की पहल

मुंबई हलचल/संवाददाता

शिलॉन्ग। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग तथा आयुष मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने शहर के मावडियांग डियांग स्थित नॉर्थ ईस्टर्न इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद एंड होम्योपैथी (एनईआईएएच) परिसर की क्षमता विस्तार के लिए आज कई परियोजनाएं शुरू कीं। आयुष मंत्री ने इस मौके पर परिसर में गेस्ट हाउस का उद्घाटन किया, वहीं प्रशासनिक भवन, फार्मेसी भवन के साथ ही प्रवेश और निकास द्वार सहित पेरिफेरी रोड की चारदीवारी और बाहरी विद्युतीकरण कार्यों की आधारशिला रखी।

इस अवसर पर विचार व्यक्त करते हुए केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा, एनईआईएएच में क्षमता विस्तार के साथ, हमारे पास सीखने, सहयोग करने और क्षमता बढ़ाने का अनूठा अवसर है क्योंकि हम वैज्ञानिक साक्ष्य के साथ पारंपरिक चिकित्सा के प्रत्येक फॉमूर्लेशन के लिए प्रमाणिकता स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। संस्थान पहले ही आयुर्वेद और होम्योपैथी में लगभग एक हजार विशेषज्ञों को प्रशिक्षित कर चुका है, जो शानदार अनुभूति का पल है। इससे क्षेत्र में, खास तौर पर मेघालय में स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणाली को काफी बढ़ावा मिला है, क्योंकि हम अपने डायनमिक प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी के स्वस्थ भारत दृष्टिकोण को साकार करने के करीब पहुंच रहे हैं। आयुष चिकित्सा प्रणाली के प्रमाणित फॉमूर्लेशन से लैस चिकित्सकों की यह नई फौज लोगों को इस चिकित्सा सेवा का लाभ उठाने में मदद करेगी। यह हजारों वर्षों से स्थानीय समाज में प्रचलित हमारे पुराने घरेलू उपचार के समान है, लेकिन अब कई बीमारियों के इलाज के लिए वैज्ञानिक रूप से सिद्ध रोगी देखभाल समाधानों की एक विस्तृत श्रृंखला भी उपलब्ध है। 'हील इन इंडिया, हील्ड बाय इंडिया' आयुष के पुनरुत्थान आंदोलन का उद्देश्य है। सर्बानंद सोनोवाल ने आगे कहा, नरेंद्र मोदीजी के नेतृत्व वाली सरकार का इरादा हमारी जनजातीय उपचार पद्धतियों को उनके ऐतिहासिक समुदायों और सीमाओं से आगे बढ़ने में सक्षम और सशक्त बनाना तथा मानवता को समृद्ध गुणवत्ता वाला जीवन जीने और क्षेत्र के लिए व्यावसायिक अवसर विकसित करने में मदद करना है। बुनियादी ढांचा और अन्य भौतिक संरचना अनुसंधान एवं विकास में बेहतर परिणामों के लिए महत्वपूर्ण हैं और एनईआईएएच में नई क्षमता का विस्तार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी के प्रेरक नेतृत्व के तहत पारंपरिक चिकित्सा के पुनरुत्थान को बढ़ावा देगा। सरकार एनईआईएएच की क्षमता निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है ताकि यह देश में आयुष के शीर्ष मानव संसाधन संस्थान का उद्गम स्थल बन सके। पिछले एक साल में मोदी सरकार ने एनईआईएएच में क्षमता विस्तार के लिए 145 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश कर चुकी है। एनईआईएएच में क्षमता विस्तार के लिए कुल परियोजना परिव्यय 217.02 करोड़ रुपये है।

केंद्रीय मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी के गतिशील नेतृत्व में भारत ने पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने के अभियान को वैश्विक स्तर पर सफलतापूर्वक पुनर्जीवित किया है। आयुष के पुनर्जीवन ने हमारी हजारों साल पुरानी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को सशक्त बनाने में मदद की है। यह जनजातीय और लोक चिकित्सा को अपने दायरे में लाकर इस यात्रा को आगे बढ़ा रहा है, जिसका अंतिम उद्देश्य मानव जीवन की गुणवत्ता, शारीरिक फिटनेस और मानसिक खुशी की पुनर्प्राप्ति के लिए उन्नत और वैज्ञानिक रूप से सिद्ध स्वास्थ्य देखभाल समाधान बनाना है।

कमल यादव को मुस्लिम समुदाय ने दी बधाई

मुंबई हलचल/संवाददाता

पटौदी। समाजसेवी व पूर्व अल्पसंख्यक भाजपा जिला अध्यक्ष राजू खान पटौदी के नेतृत्व में मुस्लिम समुदाय का एक प्रतिनिधिमंडल नवनियुक्त भाजपा जिला अध्यक्ष कमल यादव को बधाई दी है। इसी दौरान भाजपा नेता व पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष कल्याण सिंह चौहान को फूलों का गुलदस्ता व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित करते हुए शुभकामनाएं भी दी है। साथ ही अल्पसंख्यक प्रदेश उपाध्यक्ष शादाब अली नकवी व नवनियुक्त जिला महामंत्री रामबीर सिंह भाटी,सर्वप्रिय त्यागी को भी बधाई दी गई। इस दौरान हाजी अब्दुल रशीद, बाबू खान हकीम मोमिन खान, आसिफ उर्फ कालू जागीरदार,डॉ. दानिश खान, सोनू यादव, कविता वर्मा, पवन यादव, रणजीत सिंह नंबरदार सहित काफी लोग मौजूद थे।

सच्ची चाहत वफा और मुहब्बत के दो मीनारे नूर

जब से कायनात वजूद में आई है सारे नस्ले इंसानी मे सिर्फ दो ही ऐसी शख्सियत है जहां पर सच्ची चाहत वफा और मुहब्बत है बाकी सिर्फ रियाकारी (दिखाउटी) और वक्ती है। वह पहली शख्सियत रहबर ए आलम पैगंबरे इस्लाम हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की है जो अपनी उम्मत से बेइंतहा प्यार करते थे और अपनी उम्मत की बख्शीश और मगफिरत के लिए हमेशा रब से दुआएं करते रहते थे और दूसरी शख्सियत इंसानों की मां की है जो अपने बच्चों से अपनी औलादे से बेगरज और खुलूस के साथ मुहब्बत करती है जिनके कदमों के नीचे अल्लाह ने जन्नत रख दी है दुनिया की हर औलाद को चाहिए कि वह अपने वजूद अपनी जड़ मां बाप से जुड़ा रहे क्योंकि जो दरख्त अपनी जड़ों से जुड़ा रहता है वह हरा भरा जिंदा और महफूज रहता है। अल्लाह तबारक तआला से दुआ है कि सभी के माँ बाप बख्शीश फरमाए और साथ ही मेरी मोहसिन महेरबान माँ हज्जन जुबेदा बी रहमतुल्लाहि अलैहा की बख्शीश और मगफिरत फरमाए और उसकी कब्रे अतहर को अपने नूर से रोशन और मुनव्वर फरमाकर जन्नत के बाग में तब्दील फरमाए और आलमे बरजख में उन्हें अपनी रहमत अपनी रजा अपना नूर अपना अनवार अपनी तजलियां अता फरमाकर जन्नत का माहौल अता फरमाए और कब्र के आजाब से जहन्नम की आग से पुलसीरात और मैदान महशर की सख्तियों से हिफाजत फरमाकर अपनी अमनो सलामती अता करे और बदले के दिन जन्नतुल फिरदौस में आला मुकाम अता फरमाए आमीन या रब्बुल आलमीन ।

- साजिद खान धनपुरी

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

अगर मुस्लिम महिला मानती है कि हिजाब धर्म के अनुकूल तो कोई अथारिटी मना नहीं कर सकती: नदीम कुरैशी

मुंबई हलचल/संवाददाता

इत्तेहाद ए मिल्लत कौन्सिल के प्रदेश संगठन प्रभारी नदीम कुरैशी ने कहा कि अगर एक मुस्लिम महिला सोचती है कि हिजाब पहनना उसके धर्म के अनुकूल है तो कोई भी उसे रोक नहीं सकता है। हिजाब इस्लाम की धार्मिक परंपरा का हिस्सा है और इस पर रोक से मुस्लिम छात्राओं को संविधान में मिले अभिव्यक्ति की आजादी (अनुच्छेद 19(1)(ए)), व्यक्तिगत स्वतंत्रता (अनुच्छेद 21) और धार्मिक स्वतंत्रता (अनुच्छेद 25) के मौलिक अधिकार का हनन होता है।

अगर मुस्लिम लड़की हिजाब पहनती है तो यह नहीं कहा जा सकता कि उससे किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचती है, हिजाब पर रोक का विरोध करते हुए,कुरैशी कहा कि अल्पसंख्यकों को हाशिये पर रखने का पैटर्न नजर आता है अनुच्छेद 19, 21 और 25 की व्यापक और विस्तृत नजरिये से उदार व्याख्या करनी चाहिए अकबर ने हिन्दू महिला से शादी की थी और उसे कृष्ण की पूजा की इजाजत थी

और आज के समय में अगर कोई प्रेम करता है और शादी करता है तो हम सोचते हैं कि ये मतांतरण की कोशिश है पता नहीं हम कहां जा रहे हैं,वास्तव में इसके पीछे कुछ और ही उद्देश्य है,अल्पसंख्यक समुदाय से कहा जा रहा है कि तुम वही करोगे जो हम कहेंगे, सैकड़ों वर्षों से मुस्लिम महिलाएं हिजाब पहन रही हैं,जैसे सिखों के लिए पगड़ी जरूरी है वैसे ही मुस्लिम महिलाओँ के लिए हिजाब जरूरी है,ये उनकी आस्था है कुछ लोग तिलक लगाना चाहते हैं, कुछ क्रास पहनते हैं सभी को अधिकार है और सामाजिक जीवन की यही खूबसूरती है,क्या हिजाब पहनने से भारत की एकता और अखंडता को खतरा हो जाएगा नदीम कुरैशी ने कहा अनुच्छेद 25 में मिला धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार हर जगह है फिर चाहें वह बेडरूम हो या क्लासरूम उन्होंने कहा कि बार काउंसिल ने वकीलों के लिए एक ड्रेस तय की है लेकिन अगर कोई टोपी पहन कर कोर्ट आए तो क्या कोर्ट उसे रोक देगा वकीलों के टोपी या पगड़ी पहनने की परंपरा है

हमारे प्रधानमंत्री को देखिए कि वे महत्वपूर्ण दिनों पर कितनी खूबसूरती से पगड़ी पहनते हैं,ये लोगों का सम्मान करने का एक तरीका है,बरेली के मनोहर भूषण इंटर कॉलेज में जो हुआ वह गलत था, गेट पर जो मैडम हिजाब पहनी लड़कियों को रोक रहीं थी असल में वो लड़कियों को धमकाने का काम कर रहीं थीं उनके खिलाफ प्रशासन को कार्रवाही करनी चाहिए ताकि भविष्य में इस तरहॉ की घटनाओ को रोका जाये!

कोली समाज का जागरूकता, एकता व अखंडता महासम्मेलन सम्पन्न

आगरा लोकसभा से कोली समाज को टिकट देने का आह्वान : इंजि.खेमचन्द कोली

मुंबई हलचल/संवाददाता

आगरा। जिले में बीते सोमवार 26 फरवरी को कोली समाज में जागरूकता,एकता व अखंडता पर हुए कोली कोरी समाज के महासम्मेलन में मुख्य अतिथि इंजि. खेमचंद कोली का मंच पर दस हजार की नोटों की माला, साफा व पुष्पमाला द्वारा जोरदार स्वागत किया अखिल भारतीय युवा कोली कोरी समाज (रजि.) के आगरा के जिला प्रभारी संजय माहौर,संध्या माहौर, बंटी माहौर,अजय माहौर, तारा चंद

माहौर,रवि माहौर सहित काफी संख्या में कोली समाज एकत्रित हुआ। संयोजक विजय माहौर रहे। कार्यक्रम में मास्टर निरोती लाल, गोपाल माहौर, भूरेन्द्र माहौर, नारायण सिंह माहौर,राजकुमार माहौर पार्षद, कैलाश माहौर, प्यारेलाल सूर्यवंशी, सूरज माहौर,ओम प्रकाश आढ़ती, कृष्ण कांत माहौर व हजारों की संख्या में कोली कोरी समाज के लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि इंजीनियर खेमचंद कोली ने कहा कि कोली समाज को आगरा से एक लोकसभा की टिकट देने का आह्वान सभी दलों से किया है। ऐसा न करने पर लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करने की भी बात रखी। इसके अलावा कोली ने कहा कि 2024 में ऐतिहासिक रामलीला मैदान में होने वाले कोली समाज के शक्ति प्रदर्शन में सभी लोगों को आने का निमंत्रण भी दिया ।

उत्तर बिहार के प्राचीन धार्मिक मदरसा फल्लाहुल मुसलमीन गवापोखर भौआरा मधुबनी बिहार में जलसा का आयोजन

मदरसे की वार्षिक समापन बैठक में 20 छात्रों को पवित्र कुरान जुबानी याद कराया गया और पुरस्कार वितरण किया गया: मुहम्मद मसीह अहमद कासमी

मुंबई हलचल/मो सालिम आजाद

मधुबनी। मधुबनी शहर के गवापोखर भौआरा की प्रसिद्ध एवं प्रसिद्ध प्राचीन संस्था मदरसा फल्लाहुल मुस्लिमीन में हजरत कारी शमीम साहब नौमानी की तिलावत से समापन एवं पुरस्कार समारोह की शुरूआत हुई। मदरसा के शिक्षक हजरत मौलाना मुफ्ती मुहम्मद रूहुल्लाह साहब कासमी ने फारसी प्रथम से पंचम अरबी, याद करने के स्तर और प्राथमिक स्तर आदि का परिणाम प्रस्तुत किया और प्रत्येक स्तर में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को विभिन्न किताबें, कॉपी पेन और एक अच्छी किताब बैग प्रदान किए गए और जिस छात्र की पूरे वर्ष सभी कक्षाओं में सबसे

अधिक उपस्थिति रही उसे भी पुरस्कार के रूप में एक अच्छा बैग दिया गया। इस ऐतिहासिक मौके पर मदरसा हाजा के शिक्षक और जमीयत उलेमा मधुबनी के

अध्यक्ष हजरत मौलाना मुफ्ती अबुजर साहब कासमी ने छात्रों को सलाह दी और अगले वर्ष प्रवेश के लिए आने वाले प्राचीन और आधुनिक छात्रों की कार्य योजना और बेहतर शिक्षा और आवास की मंशा बताई मदरसा के अध्यक्ष और समाजिक खिदमतगार हजरत मौलाना अब्दुल्ला साहब कासमी ने दौरान वर्ष होने वाली कमी और कोताही पर सभी शिक्षकों और छात्रों से माफी माजरत पेशकी और जलशा की आखिर में नमूना सलफ हजरत मौलाना मोहम्मद मोतिउर रहमान साहब कासमी उस्ताद मदरसा हाजा की नसीहत और दोआ पर मजलिस का समापन हुआ।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

गजल गायक पंकज उधास नहीं रहे

जानकारी के मुताबिक पंकज उधास को कुछ महीने पहले कैंसर डिटेक्ट हुआ था और वो पिछले कुछ महीने से किसी से मिल नहीं रहे थे। उनका अंतिम संस्कार कल मुंबई में किया जाएगा। पंकज उधास गजल गायिकी की दुनिया में एक बड़ा नाम थे। उन्हें 'चिट्ठी आई है' गजल से शोहरत मिली। यह गजल 1986 में रिलीज हुई फिल्म 'नाम' में थी। पंकज ने कई गजलों को अपनी आवाज दी जिनमें 'ये दिल्लगी', 'फिर तेरी कहानी याद आई', 'चले तो कट ही जाएगा' और 'तेरे बिन' शामिल है। इसे अलावा 'ना कजरे की धार', 'चांदी जैसा रंग है तेरा' पंकज के यादगार गानों में से एक हैं। पंकज उधास ने सिंगिंग में अपना लोहा मनवाया और अपनी बेहतरीन आवाज के लिए उन्हें कई अवॉर्ड्स से सम्मानित किया गया। इनमें सबसे अहम पद्मश्री अवॉर्ड है जो कि उन्हें 2006 में दिया गया था। पंकज उधास के बड़े भाई मनहर रंगमंच के एक एक्टर भी थे। पंकज ने उनके साथ काम किया और अपने पहले रंगमंच पर ऐ मेरे वतन के लोगों गाया और ऑडियंस उनकी आवाजा कायल हो गए। तब एक दर्शक ने इनाम के तौर पर पंकज को 51 रुपए दिए थे। बाद में पंकज उधास ने संगीत नाट्य अकादमी जॉइन की और तबला बजाना। सेंट जेवियर्स कॉलेज से ग्रेजुएट होने के बाद उन्होंने एक बार में काम किया। लिरिसिस्ट मनोज मुंतशिर ने पंकज उधास के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडया पर लिखा, "आपके तीन कैसेट्स ने मुझे पहली बार ये बताया था गजल क्या होती है।मेरे जैसे हजारों को कविता और शायरी की तमीज सिखाने वाले पंकज उधास जी, इतनी जल्दी आपका जाना बनता नहीं था! अभी तो बहुत कुछ सीखना था आपसे।"

मनोज जरांगे की बढ़ी मुश्किलें

उन्होंने कहा, लोकतंत्र में हिंसा या भड़काऊ भाषण का कोई स्थान नहीं है। इसके लिए सरकार को उचित कदम उठाने चाहिए। नार्वेकर ने कहा, सरकार को इसकी गंभीरता को ध्यान में रखते हुए इसकी गहन एसआईटी जांच करानी चाहिए। नार्वेकर ने जरांगे के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस से जान के खतरे के दावे की एसआईटी जांच के आदेश दिए हैं। बीजेपी विधायक आशीष शेलार ने आज विधानसभा में जारंगे के आरोपों को गंभीर बताते हुए गहन जांच की मांग की। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने बीजेपी नेता फडणवीस पर रविवार को बेहद गंभीर आरोप लगाये। जरांगे ने फडणवीस के लिए ओछी भाषा का भी इस्तेमाल किया था।

उज्जीवन स्मॉल फाइनैंस बैंक ने पुसाद में नई शाखा लॉन्च की

मुंबई हलचल/संवाददाता

पुसाद। उज्जीवन स्मॉल फाइनैंस बैंक लिमिटेड (उज्जीवन एसएफबी/बैंक) ने पुसाद, महाराष्ट्र में अपनी नई शाखा खोली है। बैंक का उद्देश्य डिजिटल बैंकिंग एवं राजस्व के विविधीकरण पर ध्यान केन्द्रित करते हुए बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं को अपने साथ जोड़ना है। महाराष्ट्र में 53 शाखाओं के साथ बैंक 5.5 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को अपनी सेवाएं प्रदान करता है। उज्जीवन एसएफबी अपने व्यापक शाखा एवं डिजिटल नेटवर्क के माध्यम से आकर्षक ब्याज दरों पर टर्म डिपोजिट सुविधाएं पेश करता है। उज्जीवन उन बैंकों में से एक है जो२ सबसे उंची ब्याज दरों पर फिक्स्ड डिपोजिट सेवाएं उपलब्ध कराते हैं: 12 महीने और 80 सप्ताह (560 दिनों) की अवधि के लिए, नियमित, एनआरई एवं एनआरओ उपभोक्ताओं के लिए 8.25 फीसदी तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिए 8.75 फीसदी। इसी अवधि के लिए नॉन-कॉलेबल प्लेटिना# एफडी पर ब्याज दर 8.45 फीसदी है। उज्जीवन एसएफबी के सेविंग अकाउन्ट में मैक्सिमा और प्रिविलेज सेविंग अकाउन्ट शामिल है, सालाना 7.5 फीसदी तक की ब्याज दर*, किसी भी एटीएम से असीमित लेनदेन, नेट बैंकिंग एवं मोबाइल बैंकिंग के जरिए ज्यादा फंड ट्रांसफर, ज्यादा नकद लेनदेन एवं निकासी सीमा के फायदे देता है। बैंक विशष अकाउन्ट सुविधाएं भी देता है जैसे सीनियर सीटिजन अकाउन्ट, महिलाओं के लिए गरिमा अकाउन्ट, एनआर अकाउन्ट एण्ड सोल्युशन्स। बैंक के मैक्सिमा, प्रीविलेज और बिजनेस ऐज करेंट अकाउंट कैश डिपोजिट की प्रत्यास्थ सीमा, कस्टमाइज्ड पीओएस, बिजीमनी ओडी के माध्यम से ओवरड्राफ्ट सुविधा और फाइनैंशियल बैंक गारंटी देते हैं। उज्जीवन एसएफबी वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों के लिए उन के घर तक बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराता है। बैंक घर की खरीद, घर में सुधार और कम्पोजिट लोन (प्लॉट की खरीद और निर्माण) के लिए रु 5 लाख से रु 75 लाख तक के हाउसिंग लोन और कम्पोजिट लोन भी देता है। उज्जीवन एसएफबी उन लोगों के घर तक बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करता है जो घर खरीदने या बनाने का सपना साकार करना चाहते हैं। इस अवसर पर श्री इत्तिरा डेविस, एमडी एवं सीईओ, उज्जीवन स्मॉल फाइनैंस बैंक ने कहा, ह्यह्यपुसाद, महाराष्ट्र में अपनी नई शाखा खोलते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है। हमारे पर्सनलाइज्ड बैंकिंग प्रोडक्ट एवं सेवाएं तथा बचत एवं डिपोजिट पर प्रतिस्पर्धी ब्याज दरें क्षेत्र के लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करेंगी। यह विस्तार प्रमुख मास-मार्केट बेंक बनने के हमारे मिशन के अनुरूप है।

पहाड़ों पर 'व्हाइट मार्च'

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

बीते 30 दिनों के भीतर यह पांचवा दौर है, जब पश्चिमी विक्षोभ सबसे ज्यादा सक्रिय होने जा रहा है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक अगले सात दिनों तक मैदान से लेकर पहाड़ी इलाकों में मौसम बदला रहेगा। पहाड़ों पर बर्फबारी तो मैदानी इलाकों में बारिश और ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की गई है।

मौसम विभाग के वैज्ञानिकों का कहना है कि पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, हिमाचल, जम्मू कश्मीर, लद्दाख, मध्यप्रदेश समेत राजस्थान के कुछ हिस्सों और उत्तर प्रदेश में मौसम के बदलाव का सीधा असर देखने को मिल सकता है। 1 मार्च से लेकर 4 मार्च तक पहाड़ों पर एक बार फिर से जमकर बर्फबारी होने की संभावनाएं बन रही हैं। जबकि मैदानी इलाकों में तेज बारिश होगी।

एक मार्च से लेकर 4 मार्च तक पहाड़ों पर एक बार फिर से जमकर बर्फबारी होने की संभावनाएं बन रही हैं। जबकि मैदानी इलाकों में तेज बारिश होगी।

पिछले दिनों हिमाचल में बर्फबारी का दृश्य

1 से 4 मार्च तक बर्फबारी और तेज बारिश

हिमाचल, कश्मीर लद्दाख में बर्फबारी

मौसम विभाग के मुताबिक जहां हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर और लद्दाख में 1 से 2 मार्च तक बारिश और बर्फबारी का अनुमान है। वहीं एक मार्च को उत्तराखंड के अलग-अलग स्थानों पर ओलावृष्टि की भी संभावनाएं बन रही हैं। विभाग का कहना है कि मध्यप्रदेश में 27 फरवरी को अलग-अलग जगहों पर ओलावृष्टि हो सकती है। विदर्भ के हिस्सों में सोमवार से लेकर मंगलवार तक ओलावृष्टि और बारिश का अनुमान लगाया जा रहा है।

40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी हवा

पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के साथ-साथ उत्तर भारत के मैदानी हिस्सों में सोमवार और मंगलवार को बारिश समेत पहाड़ों पर बर्फबारी का अनुमान लगाया गया है। हालांकि मौसम विभाग का अगले कुछ दिनों के भीतर न्यूनतम पारे में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी का अनुमान लगाया जा रहा है। दरअसल मराठवाड़ा, तेलंगाना और मध्यप्रदेश समेत झारखंड के ऊपर से बहने वाली 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार की हवाओं से अधिकतम तापमान में कुछ गिरावट दर्ज होने का अनुमान है।

48 घंटे में सक्रिय होगा पश्चिमी विक्षोभ

बीते एक महीने के भीतर यह पांचवा पश्चिमी विक्षोभ है,मौसम विभाग के वैज्ञानिकों के मुताबिक अगले 48 घंटे के भीतर एक बार फिर से उत्तर पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने जा रहा है। इसके चलते तेज बारिश के साथ ओलावृष्टि और बिजली गिरने की संभावनाएं बनी हुई हैं। जबकि उत्तर भारत के राज्यों में बादलों की आवाजाही के साथ कहीं-कहीं पर हल्की-फुल्की बूंदाबांदी भी हो सकती है।

संजय भूषण को दुबई में मिला ग्लोबल अचीवर्स अंतर्राष्ट्रीय अवार्ड 2024

मुंबई। फिल्म प्रचारक और सेलिब्रिटी मैनेजर संजय भूषण पटियाला के पुरस्कारों की फेहरिश्त में एक और नाम जुड़ गया है। बीती शाम को दुबई में हुए ग्लोबल अचीवर्स अंतर्राष्ट्रीय अवार्ड में उन्हें फिल्म पत्रकारिता और सेलिब्रिटी मैनेजमेंट के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदनको देखते हुए 2024 के लिए बेस्ट फिल्म प्रचारक सह सेलिब्रिटी मैनेजर का अवॉर्ड दिया गया। दुबई में इस अवॉर्ड शो के आयोजनकर्ता हैं भारत से महेज फाउंडेशन के साथ ऑल इंडिया एनजीओ काउंसिल व दुबई से जेनेसिस अल्टिमा, और हेज ग्रुप। यह एक अन्तर्राष्ट्रीय लेबल का पुरस्कार समारोह है जिसमें दुनिया के कई देशों के लोग अपनी सहभागिता देते हैं इसमें भारत, श्रीलंका, थाईलैंड, मलेशिया, दुबई, बंग्लादेश, नेपाल और सिंगापुर जैसे देश शामिल हैं। इस अवॉर्ड शो को कई देशों में अच्छी खासी पॉपुलैरिटी हासिल है और यह लोगों के बीच अच्छा खासा क्रेज लिए हुए है। संजय भूषण पटियाला को अभी हाल में ही मुम्बई में उनके फिल्मी सफर में योगदान के लिए दादा साहेब फाल्के टेलीविजन अवॉर्ड भी मिला हुआ था। इस पुरस्कार को उन्हें टेलीविजन कि सीता माँ दीपिका चिखलिया टोपीवाला के हाथों दिया गया था। दुबई में इस जेनेसिस इंटरनेशनल एचीवर्स अवॉर्ड को पाने के बाद संजय भूषण ने दुबई में मीडिया वालों से बात चीत करते हुए कहा कि उन्हें बेहद गौरवशाली अनुभूति हो रही है कि उन्हें इस पुरस्कार के लायक इस अंतरराष्ट्रीय संस्था ने सोंचा। हम जब अपना काम बेहद ईमानदारी और सच्चे मन से करते हैं तो उसे कुछ इसी तरह से दुनियाभर में सराहा जाता है। हम आगे भी अपना काम इसी तरह ईमानदारी से करते रहेंगे। हम कभी भी पुरस्कार पाने के उद्देश्य से अपना काम नहीं करते हैं लेकिन हमारी कार्यक्षमता और कार्य के प्रति समर्पण को देखते हुए कोई अवॉर्ड पुरस्कार मिलता है तो हमें अपनेआप पर बहुत गर्व होता है। हम भारत के बाहर भी लोकप्रिय हो रहे हैं यही हमारे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। हमें बेहद खुशी हुई और आगे बेहतरीन काम करने के लिए प्रेरणा मिली है । इस औसर पर आयोजक नगमा खान और राजकुमार तिवारी मौजुद थे।

भारत और अमेरिका के बीच कल होगी सुरक्षा पर वार्ता

आतंकवाद, खालिस्तानी और साइबर क्राइम जैसी चुनौतियों का समाधान निकालेंगे भारत-अमेरिका

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच आगामी 28 फरवरी को सुरक्षा पर एक महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। इस दौरान चर्चा में आतंकवाद का मुकाबला, खालिस्तानी कट्टरपंथ, साइबर सुरक्षा और विमानन सुरक्षा जैसे मुद्दे शामिल किए जाने की उम्मीद है।

28 फरवरी को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला और संयुक्त राज्य अमेरिका के उनके समकक्षों के अगुवाई में चर्चा की शुरुआत की जाएगी। चर्चा में आतंकवाद का मुकाबला, साइबर सुरक्षा,अवैध प्रवासन का मुकाबला, प्रत्यर्पण, विमानन सुरक्षा, ग्लोबल सप्लाई चेन की सुरक्षा और समुद्री सुरक्षा सहित अन्य क्षेत्रों में सहयोग शामिल है।

भारत और अमेरिका के बीच आगामी 28 फरवरी को सुरक्षा पर एक महत्वपूर्ण बैठक होगी। इस दौरान चर्चा में आतंकवाद का मुकाबला, खालिस्तानी कट्टरपंथ, साइबर सुरक्षा और विमानन सुरक्षा जैसे मुद्दे शामिल किए जाने की उम्मीद है। केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला और अमेरिका के उनके समकक्षों के अगुवाई में चर्चा होगी।

आतंकवाद का मुकाबला एजेंडे में ऊपर रहेगा

खास बातें

अवैध नशे के कारोबार की रोकथाम पर करेंगे चर्चा

अमेरिका में रहने वाले कई भगोड़ों पर होगी बात

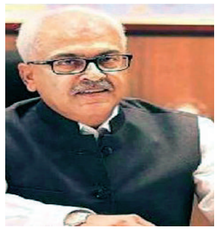

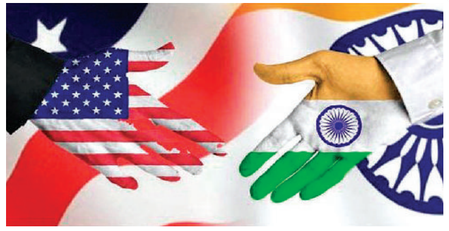

आतंकी फंडिंग पर कसेंगे लगाम

दोनों देशों के बीच इस प्रकार की आखिरी सुरक्षा वार्ता जनवरी 2022 में हुई थी। इस बार बातचीत के दौरान खालिस्तानी अलगाववादी संगठनों और अमेरिका में रहने वाले कई भगोड़ों से जुड़े कई मुद्दे उठाए जाने की उम्मीद है। इसके अलावा भारत में कट्टरपंथी विचारधाराओं के प्रसार,आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए आतंकवादी संगठनों द्वारा साइबर क्राइम का सहारा लेना जैसे मुद्दों पर भी चर्चा होगी। इस दौरान भारत बैंकों, रेलवे, बिजली और ऊर्जा सुविधाओं और अस्पतालों सहित अपने आवश्यक बुनियादी ढांचे पर साइबर हमलों पर लगाम लगाने पर भी जोर होगा। अवैध नशे पर कार्रवाई के लिए दोनों देशों के अधिकारी जिनमे भारत के नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के अधिकारी और अमेरिकी ड्रग एन्फोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन (डीईए) के अधिकारी एक दूसरे से सहयोग लेंगे। इस दौरान भारत बैंकों, रेलवे, बिजली और ऊर्जा सुविधाओं और अस्पतालों सहित अपने आवश्यक बुनियादी ढांचे पर साइबर हमलों पर लगाम लगाने पर भी चर्चा में जोर रहेगा।

ऑनलाइन धोखाधड़ी पर लगाम पर मंथन

इससे पहले 2022 में, सरकार द्वारा संचालित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के डेटा में सेंध लग गई थी। इसी कड़ी में कई चीनी लोन देने वाले ऐप्स और ऑनलाइन निवेश धोखाधड़ी द्वारा भारतीय डेटा के दुरुपयोग के कारण डेटा सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा बन गया। यह बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण जा रही है क्योंकि यह भारत को अमेरिका के साथ इन मुद्दों को उठाने के लिए एक और मंच प्रदान करेगी। बता दें कि पिछले साल राष्ट्रीय जांच एजेंसी के महानिदेशक दिनकर गुप्ता ने संघीय जांच ब्यूरो के अपने समकक्ष क्रिस्टोफर रे से मुलाकात की थी। बैठक के दौरान गुप्ता ने सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास पर खालिस्तान समर्थक तत्वों द्वारा किए गए हमले के संबंध में अमेरिका में चल रही जांच पर चर्चा की। उन्होंने आतंकवादी संगठनों और संगठित आपराधिक सिंडिकेट के सदस्यों के बीच बढ़ती सांठगांठ पर जोर दिया।

उड़ जाएगी पाकिस्तान और चीन की नींद

मिशन समर-2: भारत ने पुरानी रूसी मिसाइल से बना डाला 'अग्निबाण'

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भारतीय वायु सेना ने नया एयर डिफेंस सिस्टम विकसित किया है। इस डिफेंस सिस्टम ने हाल ही में राजस्थान के पोखरण में हुए वायुशक्ति 2024 युद्धाभ्यास में अपनी ताकत दिखाई थी। खास बात ये है कि इस सिस्टम में आर-73 और आर-27 मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया है। ये मिसाइलें सालों पहले रूस से ली गईं थीं, अब इनका जखीरा पुराना होने लगा था, ऐसे में भारतीय वैज्ञानिकों ने इन्हें सतह से हवा में मार करने वाले एयर डिफेंस सिस्टम में तब्दील कर दिया है। समर मिसाइल ट्रक से लॉन्च होती है। इसकी स्पीड 2982 किमी प्रति घंटा की है। यानी पलक झपकते ही दुश्मन के टारगेट को हिट कर सकती है। समर का पूरा नाम सरफेस टू एआईआर मिसाइल फॉर असुरेड रिटेलेशन है।

दुश्मन को आसानी से बना सकती है टारगेट

समर अपनी स्पीड से दुश्मन के फाइटर जेट या हेलिकॉप्टर को आसानी से टारगेट कर सकती है। वायुसेना की बीआरडी यूनिट इसका संचालन करती है। समर एयर डिफेंस सिस्टम में दो तरह की मिसाइलों को लगाया जा सकता है। मिसाइल की रेंज 12-40 किमी है। समर सिस्टम में समर-1 और समर-2 दो तरह की मिसाइलें इस्तेमाल होती हैं। समर-1 कम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है। इसकी रेंज 10-12 किलोमीटर है। जबकि वहीं, समर-2 की रेंज 20 किलोमीटर है। समर-1 का वजन 105 किलोग्राम, लंबाई 9.7 फीट, व्यास 6.5 इंच और इसमें 7.4 केजी का वॉरहेड लगता है।

काई कैन फेस रेजर महिलाओं के चेहरे से अनचाहे बालों को हटाने का सर्वश्रेष्ठ विकल्प

मुंबई। कोई भी महिला अपने चेहरे पर आने वाले अनचाहे बालों को पसंद नहीं करती और चाहती है कि उनके चेहरे की त्वचा भी सुंदर व स्मूद दिखाई दे। जापान के प्रमुख रेजर एवं ब्यूटी टूल्स के ब्राण्ड काई का कैन फेस रेजर चेहरे के अनचाहे बालों को दर्द रहित हटाने के लिए कैन फेस रेजर बहुत ही सुरक्षित व सर्वश्रेष्ठ विकल्प है।

काई कैन फेस रेजर को खासतौर पर महिलाओं के चेहरे जैसे पीच फज, आइब्रो, अपर लिप्स, फोरहेड के अनचाहे बालों को हटाने के लिए डिजाइन किया गया है। इसके ब्लेड् को विशेष रूप से पीटीएफइ तकनीक के साथ डिजाइन किया गया है जो कम फोर्स के साथ स्मूद शेव में मदद करता है। काई कैन फेस रेजर ब्लेड क्रोमियम कोटिंग के साथ आते हैं जो इसे जंग प्रतिरोधी और लंबे समय तक शार्प रखते है। इसमें प्रोटेक्टिव स्किन गार्ड के साथ डबल कोटेड स्टेनलेस स्टील ब्लेड हैं जो शेव करते समय नाजुक त्वचा की रक्षा करते हैं और कटने से बचाते हैं। काई कैन फेस रेजर सुरक्षात्मक ब्लेड कवर के साथ आता है जो इसे यात्रा के अनुकूल बनाता है और ब्लेड को धूल व गन्दा होने से बचाता है। काई इंडिया के प्रबंध निदेशक श्री राजेश यू. पांड्या कहते हैं, कैन फेस रेजर सभी प्रकार की त्वचा के लिए उपयुक्त हैं और इसका ब्लेड आसानी के साथ सबसे छोटे बालों को भी हटा देता है। कैन फेस रेजर की एंटी-स्लिप प्लास्टिक लेयर हैंडल शेविंग करते समय सही ग्रिप देता है और घर पर ही स्मूद फेस हेयर रिमूवल का अनुभव प्रदान करता है। काई इंडिया का मानना है कि हर महिला सर्वश्रेष्ठ की हकदार है, और कैन फेस रेजर आपको एक सुखद अनुभव देगा जिससे चेहरे के सभी हिस्सों को शेव करना कुछ ही मिनटों में काफी आसान हो जाएगा। काई इंडिया कैन फेस रेजर www.kaiindiaonline.com पर और सभी प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म @ INR 279/- पर भी उपलब्ध है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

उत्तराखंड हलचल

कलियर क्षेत्र में बढ़ते अपराध व बढ़ती वेश्यावृत्ति चिंता का विषय: मनव्वर कुरैशी

न्यू प्रेस क्लब पिरान कलियर की मासिक बैठक का अयोजन हुआ

मुंबई हलचल/फहीम अहमद राज

पिरान कलियर हरिद्वार। न्यू प्रेस क्लब पिरान कलियर (रजि०) की मासिक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र में बढ़ते हुए अपराध,वेश्यावृत्ति और अन्य असामाजिक बुराइयों को लेकर चिंतन और मंथन किया गया। मीटिंग में आगामी लोकसभा 2024 के चुनाव को लेकर भी चर्चा की गई।

न्यू प्रेस क्लब पिरान कलियर की मासिक बैठक को संबोधित करते हुए क्लब के अध्यक्ष मनव्वर कुरैशी ने कहा कि संविधान में चौथे स्तंभ कहे जाने वाले मीडिया के लोग वर्तमान समय में आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक रूप से शोषित और उपेक्षित हो रहे हैं। औरों को आगे बढ़ाने और उनकी आवाज बुलंद करने वाले मीडिया कर्मियों की अपनी आवाज ही दब कर रह गयी है। ऐसे में अपने अधिकार को प्राप्त करने के लिए पत्रकारों को संगठित होकर संघर्ष का मार्ग अपनाना ही विकल्प रह गया है। बैठक को संबोधित करते हुए उन्होने कहा कि कलियर

क्षेत्र में बढ़ते अपराध और अन्य असामाजिक गतिविधिया चिंता का विषय है। कलियर क्षेत्र में क्राइम का ग्राफ निरंतर बढ़ता जा रहा है।यहां बढ़ते देह व्यापार से ये धार्मिक स्थल शर्मशार हो रहा है। एक कथित महिला के द्वारा की जा रही वेश्यावृत्ति से ये धार्मिक स्थल की बदनामी हो रही हैं। प्रशासन को ऐसे घटिया अपराधिक मामलों पर गंभीरता दिखानी होगी ताकी ऐसे मामलो पर तत्काल प्रभाव से रोक लग सके और ऐसे लोगों पर फौरी तौर पर कार्रवाई करनी चाहिए।

न्यू प्रेस क्लब की बैठक में उपस्थित पत्रकारों को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि आये दिन पत्रकारों को हमेशा जोखिम भरा काम के साथ समय बीताना पड़ता है। न तो कोई सुरक्षा है और न ही बीमा है। बीते सालों में मुख्यमंत्री ने पत्रकार बीमा योजना का शुभारंभ हुआ था जो अब पूछने वाला भी कोई नहीं है।

क्षेत्र में बढ़ते अपराधों पर नियंत्रण नितांत आवश्यक है कलियर में बढ़ रही वेश्यावृत्ति पर तत्काल रोक लगनी चाहिए और ऐसे लोगों पर जो इस घटिया कृत को अंजाम दे रहे हैं सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

बैठक में पत्रकारों के वर्तमान स्थिति और भावी कार्यक्रम पर विस्तृत चर्चा के उपरांत न्यू प्रेस क्लब के पदाधिकारीयो ने आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के विषय पर भी विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही साथ पत्रकारों की समस्या का निदान के लिए एक शिष्टमंडल द्वारा जिला स्तर तक के अधिकारियों से मुलाकात करने का निर्णय लिया गया।

इस मौके पर उपस्थित अध्यक्ष : मनव्वर कुरैशी,महासचिव : जावेद अंसारी, उपाध्यक्ष : सरवर सिद्दीकी, कोषाध्यक्ष :जावेद साबिर, सचिव : तौकीर मलिक, नौशान रजा,नौशाद अली,फहीम अहमद राज,आसिफ मलिक, सीमा कश्यप,आफरीन बानो, मोहम्मद आरीफ कुरैशी,फरमान मलिक, तसलीम कुरैशी, दिलदार अब्बासी,शाहनवाज खान,शान साबरी, बैठक में न्यू प्रेस क्लब पिरान कलियर (रजि०) के सभी पदाधिकारी व सदस्य शामिल रहे।

छात्रा को सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने के लिए स्वर्ण पदक

मुंबई हलचल/फहीम अहमद राज

देहरादून। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मालदेवता रायपुर की बीएससी गृह विज्ञान की छात्रा अंशिका को स्नातक स्तर में श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने के लिए स्वर्ण पदक पुरस्कार प्रदत्त किया गया है। पिछले दिनों श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ले. जनरल गुरमीत सिंह (से नि) द्वारा उन्हें स्वर्ण पदक पुरुस्कार प्रदत्त किया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य एवं समस्त प्राध्यापकों ने अंशिका की सराहना की एवं उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। बीएससी गृह विज्ञान की संकायाध्यक्ष डॉ डिंपल भट्ट ने भी अंशिका को बधाई दी एवं उन्होंने बताया कि संकाय एवं समस्त छात्र-छात्राओं के लिए यह गौरव का विषय है और अंशिका सबके लिए एक प्रेरणा का स्रोत बनेगी, संकाय मे कार्यरत प्राध्यापिका श्रीमती पूजा रानी ने अंशिका की इस उपलब्धि को गौरवान्वित होने वाला पल बताया तथा समस्त छात्र-छात्राओं को अंशिका से प्रेरणा लेने के लिये कहा।

परम संत शिरोमणि रविदास जी ने हमे सत्य की राह दिखाई है- डा0 निशंक

मुंबई हलचल/फहीम अहमद राज

हरिद्वार। ग्राम बहादरपुर जट में संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती के अवसर पर भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया शोभा यात्रा का शुभारंभ हरिद्वार सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमेश पोखरियाल निशंक ने फिता काटकर किया इस अवसर पर उन्होंने कहा कि परम संत शिरोमणि रविदास जी ने हमे सत्य की राह दिखाई है हमें परम संत थे उन्होंने बताया कि मन चंगा तो कठौती में गंगा उन्होंने हर प्रकार के आडंबरों से हमें दूर रहने को कहा है हमें उनके विचारों पर चलना चाहिए

उन्होंने कहा कि आज हमारी सरकार परम संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के विचारों पर चलते हुए अंतिम छोर पर बैठे हुए व्यक्ति के विकास को प्राथमिकता दे रही है हमारी सरकार के द्वारा चलाई गई योजनाएं गरीबों और निम्न वर्ग के लिए है आज रविदास जी के जन्मदिवस पर हम सभी को बधाई और शुभकामनाएं देते हैं इस अवसर पर रविदास मंदिर समिति के लोगों द्वारा डॉक्टर रमेश पोखरियाल निशंक जी का फूल माला और अंग वस्त्र पहनकर स्वागत किया गया उन्होंने डॉक्टर निशंक जी को संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की प्रतिमा भेंट कर उनका स्वागत किया अवसर पर मंडल अध्यक्ष प्रणव यादव पूर्व प्रधान विकास कुमार धर्मेंद्र चौहान जिला अध्यक्ष संदीप गोयल जिला महामंत्री आशू चौधरी सचिन कुमार सचिन कुमार आर्यअरुण रेड्डी योगेंद्र सोनू ग्राम प्रधान राजेश वर्मा गौतम कर्णवाल पूर्व प्रधान रमेश कुमार संजीव कुमार नरेश दास सत्यपाल मास्टर कुंवर पाल नवीन कुमार नितेश कुमार मनीष कुमार प्रधान सराय अरविंद कुमार जिला पंचायत सदस्य चांदकिरण सिंह शीशपाल रेनू चौधरी चीनू चौधरी मगेराम मास्टर जी सोनू कुमार सतीश कुमार लोकेश कुमार सहित हजारों लोग शामिल रहे।

राजस्थान हलचल

आमेसर को आसींद में पुनः जोड़ने के लिए ग्रामवासियों ने ज्ञापन सौंपा

मुंबई हलचल/भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान! भीलवाड़ा जिले के आसींद क्षेत्र के आमेसर पंचायत को पूर्ववर्ती सरकार ने नवगठित अंटाली तहसील में जोड़ दिया जिसको लेकर आज गांव वालों ने जिला कलेक्टर भीलवाड़ा को ज्ञापन दिया। समाजसेवी कृष्ण गोपाल आमेसर ने संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि आमेसर से आसींद की दूरी मात्र 10 किलोमीटर हैं और गुलाबपूरा की दूरी 40 किलोमीटर हैं, यातायात की दृष्टि से भी आमेसर आसींद से सीधा जुड़ा हुआ हैं। अंटाली उल्टा भी पड़ता हैं और यातायात की सुविधा भी नहीं हैं, इसलिए ग्रामवासियों को प्रशासनिक कार्यो के लेकर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं। साथ ही बताया कि उपस्वास्थ्य केंद्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नत करने के लिए भी मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा! यदि आमेसर पंचायत को अंटाली तहसील से हटाकर आसींद तहसील में नहीं जोड़ा गया तो ग्रामीणों को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा। इस मौके पर समाजसेवी कृष्ण गोपाल शर्मा, भूपेंद्र सिंह,सुरेश पारीक, गुलाब रेबारी, गणपत शर्मा, वार्डपंच सांवर भील, जगदीश शर्मा, सुखदेव गुर्जर, राजेंद्र सिंह भाटी,सुखदेव प्रजापत व सैकड़ो ग्रामीण मौजूद थे।

बुलडाणा हलचल

बचत समूह आंदोलन आत्मसम्मान का मार्ग है : जयश्रीताई शेळके

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। महिला बचत समूहों के उत्पादों ने गुणवत्ता और भरोसे के दम पर बाजार पर कब्जा कर लिया है! इससे महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। दिशा बुलढाणा जिला महिला बचत समूह महासंघ की संस्थापक अध्यक्ष जयश्रीताई शेळके ने जोर देकर कहा कि महिलाएं अपने निर्णय लेकर सक्षमता से उद्योग का प्रबंधन कर रही हैं और बचत समूह आंदोलन ने उन्हें आत्मसम्मान दिया है। दिशा बुलढाणा जिला महिला बचत समूह महासंघ और दिशा महिला शहरी कंपनी. ऑप क्रेडिट सोसायटी की चिखली शाखा का उद्घाटन 26 फरवरी को सुबह 10 बजे राजर्षि साहू परिवार के संस्थापक भाऊसाहेब शेलके ने किया। ववो इस मौके पर मुख्य रूप से मार्गदर्शक कर रहे थे. स्टेज पर अभिता कंपनी के सीईओ सुनील शेळके डी. पी. जाधव, प्रो. पी. जी. सवादतकर, मार्केट कमेटी के संचालक रूपराव सावले, सुनील बनसोडे, नाना बेलबीर, सुभाष गायकवाड, आत्माराम देशमाने, विद्याताई देशमाने आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। बचतगट की महिलाओं को न केवल जिले बल्कि राज्य और देश के बाजार को भी ध्यान में रखना चाहिए। जयश्रीताई शेल्के ने आश्वासन दिया कि दिशा सेविंग्स ग्रुप फेडरेशन के माध्यम से आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर चंदहाई में दिशा महिला बचत समूह, शिंडी हराली में कालिंका महिला बचत समूह और चिखली में रेणुका महिला बचत समूह को 2-2 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी गई।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हड्डियों से दिल तक की परेशानी का कारण है मैग्नीशियम

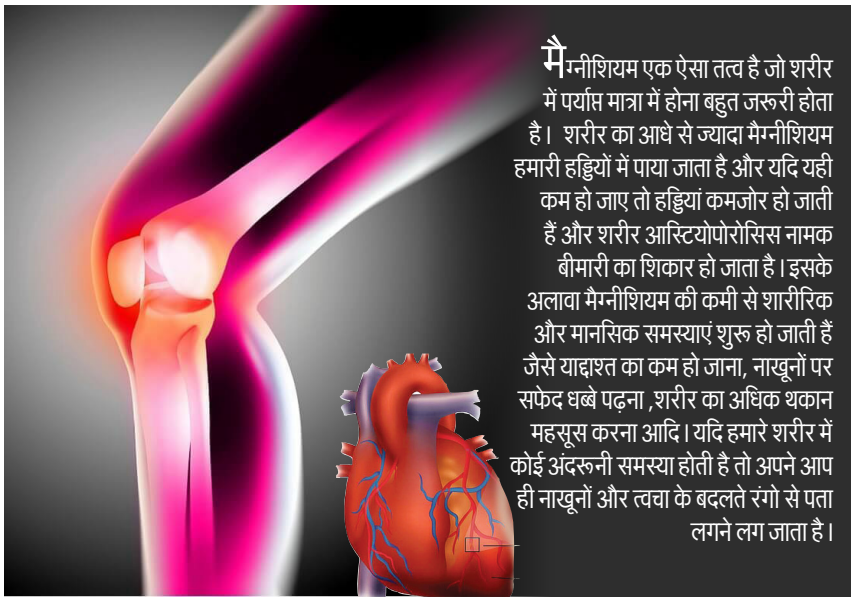

मैग्नीशियम एक ऐसा तत्व है जो शरीर में पर्याप्त मात्रा में होना बहुत जरूरी होता है। शरीर का आधे से ज्यादा मैग्नीशियम हमारी हड्डियों में पाया जाता है और यदि यही कम हो जाए तो हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और शरीर आस्टियोपोरोसिस नामक बीमारी का शिकार हो जाता है। इसके अलावा मैग्नीशियम की कमी से शारीरिक और मानसिक समस्याएं शुरू हो जाती हैं जैसे याद्दाश्त का कम हो जाना, नाखूनों पर सफेद धब्बे पढ़ना ,शरीर का अधिक थकान महसूस करना आदि। यदि हमारे शरीर में कोई अंदरूनी समस्या होती है तो अपने आप ही नाखूनों और त्वचा के बदलते रंगो से पता लगने लग जाता है।

मैग्नीशियम की कमी से होने वाली परेशानियां

हाइपरटेंशन और मधुमेह का जोखिम
मैग्नीशियम रक्तचाप को कंट्रोल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शरीर में मैग्नीशियम की कमी हो जाएं तो डायबिटीज होने की संभावना भी अधिक होती है। इसलिए यदि मधुमेह और हाइपरटेंशन जैसी खतरनाक बीमारीयों से बचना है तो मैग्नीशियम का शरीर में सही मात्रा में होना अति आवश्यक है।

सिरदर्द और अनिद्रा
मैग्नीशियम की पर्याप्त मात्रा न लेने से सिरदर्द, अनिद्रा, तनाव आदि की शिकायत हो सकती है। इसलिये तनाव और अवसाद से बचने के लिए मैग्नीशियम का भरपूर मात्रा में सेवन कीजिए।

दिल के रोग
मैग्नीशियम दिल के लिए बहुत फायदेमंद है। यदि शरीर में मैग्नीशियम की कमी हो जाये तो दिल के दौरे का खतरा अधिक होता है। इसलिए दिल को मजबूत बनाने और दिल संबधित रोगों को दूर करने के लिए मैग्नीशियम का सेवन करना चाहिए।

गर्भावस्था के दौरान
गर्भवती महिला के लिए मैग्नीशियम बहुत जरूरी है। गर्भवती महिला के शरीर में पल रहे बच्चे को प्रतिदिन 350–400 मिलीग्राम मैग्नीशियम की जरूरत होती है। यदि गर्भावस्था के दौरान मैग्नीशियम की कमी हो जाये तो बच्चे के विकास में बाधा हो सकती है।

त्वचा में समस्याएं
शरीर में मैग्नीशियम की मात्रा न सही होने पर त्वचा को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसकी कमी से घाव देरी से भरते है। त्वचा पर काले दाग- धब्बे, चकत्ते जैसी समस्याएं हो जाती है।

मैग्नीशियम के स्रोत
साबुत अनाज, मछली, हरी पत्तेदार सब्जियां, सूरजमुखी के बीज, कद्दू के बीज, ब्राउन राइस, बादाम, दलिया, आलू, डेयरी उत्पाद, चॉकलेट, कॉफी, आदि मैग्नीशियम के अच्छे स्रोत हैं, इनका सेवन भरपूर मात्रा में कीजिए।

कमर दर्द को ऐसे करें दूर, हर किसी के लिए कारगार हैं ये नुस्खे

ज्यादा देर तक बैठे रहने से और खानपान में बदलाव के कारण कमर दर्दजैसी समस्या होना आम है। पहले समय में उम्र के बढ़ने से ये सारी परेशानियां सुनने को मिलती थी लेकिन आज यह कम उम्र के लोगों में देखने को मिल रही हैं। कमर में दर्द के रहने के बहुत से कारण हो सकते है। इसकी मुख्य वजह बेतरतीब जीवनशैली और शारीरिक श्रम न करना भी हो सकती है। यह दर्द कमर के दोनों और कूल्हों तक भी फैल सकता है। इसके लिए आपको अपनी कुछ आदतों में बदलाव करने की जरूर है, तभी आप कमर दर्द जैसी परेशानी से बच सकते है। आप कुछ घरेलू तरीके अपनाकर भी कमर दर्द की समस्या से बच सकते है।

कमर दर्द के अन्य कारण

- मांसपेशियों पर प्रभाव
- वजन का बढ़ना
- गलत तरीके से बैठना
- ऊंची एड़ी के जूते पहनना
- गलत तरीके से बजन उठाना
- नर्म गद्दों पर सोना

कमर दर्द से बचने के घरेलू उपाय

- रोज सुबह सरसों के तेल में लहसुन की कलियां डालकर गर्म कर लें। ठंडा होने पर कमर की मालिश करें, आराम मिलेगा।
- नमक वाले गुनगुने पानी में तौलिया डालकर निचोड़ लें। पेट के बल लेटकर तौलिए से कमर को भाप दें।
- कढ़ाई में 2–3 चम्मच नमक डालकर इसे अच्छे से सेक लें। इस नमक को थोड़े मोटे सूती कपड़े में बांधकर पोटली बना लें। इस पोटली से कमर की सिकाई करें।
- अजवाइन को तवे के पर थोड़ी धीमी आंच पर सेंक लें। ठंडा होने पर धीरे–धीरे चबाते हुए निगल जाएं। कमर दर्द में आराम मिलेगा।
- योग भी कमर दर्द में सहायक होता है। भुजंगासन, शलभासन, हलासन, उत्तानपादासन, श्वसन आदि कुछ ऐसे योगासन हैं जो कमर दर्द में काफी लाभ पहुंचाते हैं।

मौत का कारण बन सकती है आपकी एक छींक!

छींक आना स्वस्थ्य जीवन के लिए बहुत जरूरी होता है। कई लोग छींक रोक लेते हैं क्योंकि उन्हें पब्लिक प्लेस पर छींकना अच्छा नहीं लगता। छींक रोकना सेहत के लिए काफी हानिकारक हो सकता है। दरअसल, छींक हमारी जिंदगी और मौत से जुड़ी होती है, छींक इतनी तेज आती है कि इससे हमारी जान जाने का भी डर होता है। इसलिए छींक आने पर हमारे आस पास के लोग अक्सर हमें ह्यगॉड ब्लेस यू कहते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर आप छींक रोकते हैं तो इससे शरीर के दूसरे हिस्सों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। छींक रोकने पर इसका दबाव नाक और गले की कोशिकाओं पर पड़ता है, जिससे उन्हें नुकसान पहुंच सकता है। कई बार तो इसका असर दिमाग पर भी पड़ता है।

छींक रोकने से कानों पर असर पड़ता है, जिससे ईयर ड्रम्स भी फट सकते हैं। छींकने से शरीर में होने वाले खतरनाक कीटाणु बाहर निकलते है लेकिन अगर आप छींक रोकते हैं तो यह शरीर के अंदर ही रह जाते है। इसके अलावा छींक रोकने से आंखों पर भी गहरा असर पड़ता है। छींक रोकने से दिल का दौरा जैसी बड़ी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है।

ऑफिस में लगते है नींद के छटके तो ऐसे करें दूर

अक्सर आफिस में लंच करने के बाद शरीर सुस्त होने लगता है और नींद आनी शुरू हो जाती है। ऐसे में आपको चाय–कॉफी का सहारा लेना पड़ता है। नींद आने का सबसे बड़ा कारण लंच टाइम में हैवी डाइट लेना है। अगर आप भी आफिस में सुस्ती के घेरे में घिर जाते हैं तो कुछ सिंपल से टिप्स फॉलो करें।

1. ब्रेकफास्ट न करना
कुछ लोग जल्दी ऑफिस आने के चक्कर में सुबह नाश्ता नहीम करते। अगर सुबह ही भारी नाश्ता करेंगे तो सारा दिन स्फूर्ती रहेगी। नाश्ते में दही,फल,जूस,अंड़े और ब्रैड का सेवन कर सकते हैं।

2. एक्सरसाइज करें
काम से थोड़ी–सी फुर्सत लेकर अपनी सेहत पर भी ध्यान दें। रोजाने एक्सरसाइज या योग जरूर करें। लिफ्ट का इस्तेमाल करने की बजाए सीढ़ियों का ही इस्तेमाल करें।

3. आलू न खाएं
आलू और ऐसी कोई भी चीज का सेवन लंच में न करें,जिससे शुगर लेवल बढ़ता हो। ऐसी चीजे खाने से नींद आती हैं।

4. फास्ट फूड
डिब्बा बंद भोजन में फैट बहुत मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें बहुत से ऐसे तत्वों का भी इस्तेमाल किया जात है जो सेहत के लिए हानिकारक है। कोशिश करें ताजा भोजन ही खाए।

5. मीठा
ऑफिस में मिठाई,चावल,पेस्ट्री और हलवा जैसी चीजें न खाएं। इस चीजों के सेवन से नींद आती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बॉबी देओल ने ऐश्वर्या से पहली बार मिलवाया था अभिषेक को

अभिषेक बच्चन ने हाल ही में दिए गए एक इंटरव्यू में कहा है कि ऐश्वर्या राय से उनकी पहली मुलाकात फिल्म अभिनेता और अभिषेक के बचपन के दोस्त बॉबी देओल ने करवाई थी। अभिषेक के अनुसार यह मुलाकात स्विट्जरलैंड में हुई थी। लगभग 24 वर्ष पहले 1997 में बॉबी देओल स्विट्जरलैंड में 'और प्यार हो गया' की शूटिंग कर रहे थे। इस फिल्म के जरिये ऐश्वर्या राय बॉलीवुड में अपनी शुरूआत कर रही थीं। वे भी बॉबी के साथ शूटिंग में हिस्सा ले रही थीं। उन्हीं दिनों अभिषेक बच्चन भी स्विट्जरलैंड पहुंचे। वे अपने पिता अमिताभ बच्चन की फिल्म 'मृत्युदाता' के लिए लोकेशन तलाश करने के लिए प्रोडक्शन बॉय की हैसियत से गए थे। चूंकि अभिषेक ने स्विट्जरलैंड के बोर्डिंग स्कूल में पढ़ाई की थी इसलिए कंपनी ने उन्हें यह जवाबदारी सौंपी। बॉबी देओल को जब पता चला कि उनके दोस्त अभिषेक स्विट्जरलैंड में ही है तो उन्होंने अभिषेक को डिनर के लिए बुलाया। अभिषेक जब बॉबी से मिलने गए तो वे ऐश्वर्या के साथ शूटिंग कर रहे थे। बॉबी ने ही ऐश्वर्या से अभिषेक को मिलवाया। जब अभिषेक से पूछा गया कि क्या ऐश्वर्या को देख उन्हें क्रश हुआ था? तब उन्होंने जवाब दिया कि किसे नहीं होगा।

'नेपोटिज्म ने मेरे करियर को नुकसान पहुंचाया'

प्राची देसाई ने टीवी के जरिए ऐक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। 'कसम से' सीरियल से पॉप्युलैरिटी बटोरने के बाद प्राची ने फिल्मों को रुख किया। 'रॉक ऑन' से लेकर 'बोल बच्चन' जैसी हिट फिल्मों में काम किया। ठीक वैसे ही, जैसे सुशांत सिंह राजपूत ने टीवी पर 'पवित्र रिश्ता' के बार बॉलिवुड का रास्ता चुना था। लेकिन फिर प्राची के करियर की गाड़ी धीमी पड़ गई। सुशांत की मौत के बाद बॉलिवुड में नेपोटिज्म का मुद्दा खूब उठा। अब प्राची देसाई का भी कहना है कि उनके करियर को नेपोटिज्म के कारण खूब नुकसान पहुंचा है। प्राची कहती हैं कि इंडस्ट्री में नेपोटिज्म है और यह सच्चाई है।

प्राची देसाई एक इंटरव्यू में नेपोटिज्म का मुद्दा उठाते हुए कहा, मैंने इस सच्चाई को स्वीकार कर लिया है और मुझे लगता है कि नेपोटिज्म आगे भी बॉलिवुड में ऐसे ही चलता रहेगा। हालांकि, प्राची यह भी कहती हैं कि दर्शक इन सब के बीच बहुत मायने रखते हैं। वह बताती हैं कि उन्हें अच्छे ऑफर्स मिल रहे हैं, क्योंकि दर्शक उन्हें सपोर्ट कर रहे हैं। प्राची कहती हैं, देखिए, सब से अच्छा होता है कि आप सच्चाई को स्वीकार कर लें। इसे झुठलाने का कोई मतलब नहीं है। नेपोटिज्म इंडस्ट्री में मौजूद है और यह शायद आगे भी रहेगा। लेकिन आज अच्छी बात यह है कि दर्शक भी निर्णय ले रहे हैं। इसलिए जब तक दर्शकों का सपोर्ट रहेगा, यहां हर किसी के लिए जगह बनी रहेगी।

वरुण धवन बुरी तरह ट्रोल

ऐक्टर वरुण धवन ने फैन का बनाया हुआ ग्राफिक हाल ही में डिलीट कर दिया जिसमें वह अलग-अलग अवतार में नजर आ रहे थे। देश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर के बीच इसे लेकर ऐक्टर की काफी आलोचना हुई। यह ग्राफिक वरुण धवन के आने वाले बर्थडे (24 अप्रैल) को देखते हुए तैयार किया गया था। इसमें उनकी अलग-अलग फिल्मों के अवतार नजर आ रहे थे और इसके साथ मेसेज लिखा गया, 'प्लाजमा डोनेट करें, जिंदगियां बचाएं।' इसके बाद तमाम ट्विटर यूजर्स ने पोस्ट की टाइमिंग पर सवाल उठाए। दरअसल, यह पोस्ट तब सामने आया जब मदद के लिए सोशल नेटवर्क टाइमलाइन्स ऑक्सिजन, दवाइयों, हॉस्पिटल बेड्स जैसी चीजों से भरी पड़ी हैं। एक यूजर ने लिखा, 'ओह वरुण, मुझे लगा था कि आप समझदार लोगों में से एक हैं।' इसके जवाब में ऐक्टर ने लिखा, 'ऐसा उसे खुश करने के लिए किया जिसने यह ग्राफिक बनाया और रिक्वेस्ट की लेकिन मुझे लगता है कि यह मीडियम उसके लिए अभी इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए था।' वरुण ने ऑरिजनल पोस्ट डिलीट कर दिया। सोशल मीडिया यूजर्स वरुण के ट्वीट को 'बचकाना' बता रहे हैं।